दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार 26 अगस्त 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 329

महत्वपूर्ण एवं खास

बिहार में 60 किलोग्राम चरस के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

मोतिहारी (आरएनएस)। बिहार में मोतिहारी जिले के हरसिद्धि थाना क्षेत्र से पुलिस ने 60 किलोग्राम चरस के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। बरामद चरस की कीमत 15 करोड़ रुपए आंकी गई है। पुलिस के मुताबिक, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि चरस की एक बड़ी खेप हरसिद्धि क्षेत्र में पहुंचने वाली है। इस सूचना के आधार पर सुगौली और हरसिद्धि थाना को अलर्ट करते हुए पुलिस की एक टीम का गठन किया गया। इस दौरान वाहन तलाशी अभियान के तहत एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर आ रहे दो लोगों की तलाशी के क्रम में उनके पास से 30 किलोग्राम चरस बरामद किया गया। इस मामले में मोटरसाइकिल सवार दो लोगों साजन कुमार और राजू कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया। अरेराज के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) रंजन कुमार ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि मादक पदार्थ की बड़ी खेप पूर्वी चंपारण में लाई गई थी जिसे कहीं सप्लाई दिया जाना था। तभी पुलिस ने जब्त कर लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार लोगों की निशानदेही पर बरियाडीह में एक घर पर छापेमारी कर 30.500 किलोग्राम चरस बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि बरामद चरस की कीमत 15 करोड़ रुपए आंकी गई है। सभी चरस 121 पॉकेट में रखे गए थे। बताया जाता है कि यह चरस आगे आपूर्ति की जानी थी। उन्होंने कहा कि राजू कुमार का आपराधिक इतिहास रहा है और इससे पहले भी वह जेल जा चुका है। पुलिस गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ कर रही है तथा यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि चरस कहां से लाया जा रहा था और कहां इसकी आपूर्ति की जानी थी। पुलिस पूरे मामले में अग्रेतर कारवाई कर रही है।

छठी कक्षा के बच्चे के बैग से पिस्टल मिलने से हड़कंप

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के नजफगढ़ इलाके में एक अजीबोगरीब घटना सामने आई है जिसमें एक छात्र के स्कूल बैग से पिस्टल बरामद की गई। घटना के समय छात्र छठी कक्षा में पढ़ रहा था और उसने पिस्टल को खिलौना समझकर अपने बैग में रख लिया था और स्कूल ले गया। शनिवार को दीपक विहार स्थित एक निजी स्कूल में जब छात्र के बैग से पिस्टल निकली, तो हडक़ंप मच गया। स्कूल प्रशासन ने तुरंत नजफगढ़ पुलिस को सूचित किया। पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की और पाया कि पिस्टल में मैगजीन नहीं थी और वह पूरी तरह खाली थी। पुलिस ने जब छात्र की मां से संपर्क किया, तो उन्होंने बताया कि पिस्टल उनके पति की थी, जिनका हाल ही निधन हो चुका था। महिला ने पुष्टि की कि पिस्टल उनके पति की लाइसेंसी पिस्टल थी और उन्होंने इसे पुलिस स्टेशन में जमा करने के लिए बाहर रखा था। पुलिस ने पिस्टल के लाइसेंस का सत्यापन किया, जो वैध पाया गया। बाद में, छात्र की मां ने पिस्टल को उसी दिन पुलिस भंडारगृह में जमा करवा दिया। पुलिस ने इस घटना को लेकर कोई भी कानूनी कार्रवाई करने की आवश्यकता नहीं समझी, क्योंकि पिस्टल बिना मैगजीन की थी और कोई गंभीर खतरा उत्पन्न नहीं हुआ था।

पोलैंड से लौटते वक्त 46 मिनट तक पाकिस्तान में रहा पीएम मोदी का विमान, इस्लामाबाद में हड़कंप

लाहौर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पोलैंड से लौटते वक्त पाकिस्तान के एयरस्पेस का इस्तेमाल किया। पाकिस्तानी मीडिया हाउस डॉन ने वहां की सिविल एविएशन अथॉरिटी के अधिकारी के हवाले से इसकी जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी 46 मिनट तक पाकिस्तान के एयरस्पेस में थे। उनका विमान लाहौर और इस्लामाबाद से होते हुए अमृतसर पहुंचा। सूत्रों के मुताबिक उनके विमान ने 10 बजकर 15 मिनट पर पाकिस्तान के एयरस्पेस में एंट्री की और वह 11 बजकर 1 मिनट तक रहा। सूत्रों के मुताबिक इस दौरान पाकिस्तान का एयरस्पेस भारतीय विमानों के कर्मिशयल इस्तेमाल के लिए खुला हुआ था। भारत ने फिलहाल इस मामले पर कुछ नहीं कहा है। प्रधानमंत्री के विमान को स्पेशल परमिशन की जरूरत नहीं होती है। हालांकि, कुछ मामलों में प्रधानमंत्री के विमान को एक खास सिग्नल देना पड़ता है। भारत ने 26 फरवरी 2019 को पाकिस्तान के बालाकोट में एयरस्ट्राइक की थी। इसके बाद पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को पूरी तरह से बंद कर दिया था। पाकिस्तान ने मार्च में, आंशिक रूप से एयरस्पेस खोला, लेकिन भारतीय उड़ानों के लिए इसे प्रतिबंधित रखा।

डॉक्टर दुष्कर्म-मर्डर केस: सड़कों पर उतरे फिल्मी सितारें, आरोपियों के खिलाफ की कार्यवाई की मांग

कोलकाता । आरएनएस

पश्चिम बंगाल मोशन पिक्चर आर्टिस्ट फोरम ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज बलात्कार-हत्या की घटना में पीड़िता के लिए न्याय की मांग करते हुए टॉलीगंज में विरोध प्रदर्शन किया और कोलकाता प्रशासन से जिम्मेदारी लेने का आग्रह किया। अभिनेता परमब्रत चटर्जी ने कहा कि 16 दिन बीत चुके हैं और इस दौरान कम से कम 5 अन्य बलात्कार की घटनाएं हुई हैं। हम सभी जानते हैं कि बदलापुर, असम और मुजफ्फरनगर में क्या हुआ। मैं कोलकाता से हूं, इसलिए मैं कोलकाता प्रशासन से जवाबदेही की मांग करूंगा। आरजी कर घटना में शामिल सभी लोगों को सख्त सजा मिलनी चाहिए।

अभिनेता परमब्रत ने आगे कहा, 'बलात्कार का कारण बनने वाली मानसिकता में एक व्यवस्थित बदलाव की जरूरत है। जो लोग राजनीति करना चाहते हैं, वे ऐसा करेंगे। अगर प्रशासन यह कहना शुरू कर देता है कि सडक़ों पर विरोध करने वाले सभी लोग राजनीति से जुड़े हैं, तो यह सही नहीं हैज् हम यहां किसी राजनीतिक बैनर के तहत नहीं हैं। हम न्याय के लिए यहां हैं।'

रेजिडेंट डॉक्टरों ने की सीबीआई से मुलाकात- पश्चिम बंगाल के कोलकाता में आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के कथित यौन उत्पीडऩ और हत्या के संबंध में शनिवार को रेजिडेंट डॉक्टरों के एक प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के अधिकारियों से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल के एक प्रतिनिधि डॉ. किंजल ने कहा कि उन्होंने मामले में शामिल लोगों का पता लगाने के लिए सीबीआई से समय सीमा मांगी, लेकिन उन्होंने कहा कि समय सीमा निर्धारित करना संभव नहीं है।

आरजी कर वित्तीय घोटाला : अस्पताल के फॉरेंसिक एक्सपर्ट को अपने साथ ले गये सीबीआई अधिकारी

कोलकाता । आरएनएस

विवादों में घिरे कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में वित्तीय अनियमितताओं की जांच कर रहे केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के अधिकारी फोरेंसिक मेडिसिन विभाग के डेमोंस्ट्रेटर को रविवार को अपने निजाम पैलेस स्थित कार्यालय ले गये।

सीबीआई अधिकारियों की एक टीम कोलकाता के उत्तरी बाहरी इलाके में स्थित केस्टोपुर में देबाशीष शोम के आवास पर पहुंची और वहां करीब आठ घंटे तक चली छापेमारी और तलाशी अभियान के बाद उन्हें अपने साथ ले गई। खबर लिखे जाने तक यह स्पष्ट नहीं था कि शोम को गिरफ्तार किया गया है या सिर्फ पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के करीबी माने जाने वाले शोम का नाम अस्पताल के पूर्व उपाधीक्षक अख्तर अली ने कलकत्ता उच्च न्यायालय में दायर याचिका में लिया था। अली ने ही अस्पताल में वित्तीय अनियमितताओं के बारे में सबसे पहले आवाज उठाई थी।

वास्तव में, अली की याचिका पर ही कलकत्ता उच्च न्यायालय की एकल न्यायाधीश पीठ ने पिछले शुक्रवार को सीबीआई को मामले की जांच अपने हाथ में लेने का निर्देश दिया था। सीबीआई इस मामले की विभिन्न कोणों से जांच कर रही है, जिसमें जांच का मुख्य फोकस घोष पर है। शोम और घोष के अलावा अस्पताल के पूर्व चिकित्सा अधीक्षक और उप प्राचार्य संजय वशिष्ठ और चिकित्सा उपकरण आपूर्तिकर्ता बिप्लब सिन्हा भी मामले की जांच कर रहे सीबीआई अधिकारियों की नजर में हैं। घोष से सीबीआई की विशेष अपराध इकाई के अधिकारी 16 अगस्त से लगातार नौ दिन तक पूछताछ कर चुके हैं।

इस महीने की शुरुआत में आर.जी. कर अस्पताल की एक महिला जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के मामले में उनसे पूछताछ की जा रही है। औसतन उनसे रोजाना 12 से 14 घंटे पूछताछ की गई।

नेपाल से देवघर जाने वाली बस को ट्रक ने मारी टक्कर, 35 यात्री घायल

नई दिल्ली । आरएनएस

बिहार के समस्तीपुर में बीती देर रात रफ्तार का कहर देखने को मिला। यहां एक बस को तेज रफ्तार में आ रही ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि 35 लोग इस घटना में घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना मुसरीघरारी चौराहे पर हुई है। वहीं उत्तर प्रदेश के कानपुर में भी ऐसा ही दर्दनाक हादसा हुआ। यहां भी ट्रक और बस की भिड़ंत में कई लोग घायल हो गए। बता दें कि नेपाल से एक बस में बैठकर 43 कांवड़िए झारखंड स्थित देवघर भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए जा रहे थे। लेकिन, समस्तीपुर के मुसरीघरारी चौराहे पर यह हादसा हो गया। आनन-फानन में घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है। गंभीर रूप से घायलों को इलाज के लिए समस्तीपुर के सदर अस्पताल रैफर किया गया है। वहीं, कुछ घायलों का इलाज नजदीकी क्लिनिक में किया जा रहा है। कुछ बच्चों को भी चोटें आई हैं। वहीं, इस पूरी घटना में करीब 8 लोग की हालत नाजुक बताई जा रही है। नेपाल से देवघर जा रहे एक कांवड़िए ने बताया कि 43 लोग बस में थे। ट्रक के साथ टक्कर में सभी को चोट लगी हैं। जिनका इलाज अलग-अलग अस्पतालों में चल रहा है। रफ्तार का कहर, उत्तर प्रदेश के कानपुर में शम्भूहा ओवरब्रिज पर भी देखने को मिला। यहां ट्रक और रोडवेज बस में जोरदार टक्कर हुई। इस दुर्घटना में बस चालक समेत चार लोग घायल हो गए। ट्रक चालक आधा घंटे केबिन में फंसा तड़पता रहा। सूचना मिलने पर बिधनू पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। जहां प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर रूप से घायलों को जिला अस्पताल भेज दिया गया।

सरकारी कर्मचारियों को आखिरी सैलरी का 50प्रतिशत पेंशन के रूप में मिलेगा; मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली । आरएनएस

सरकार ने केन्द्रीय कर्मचारियों के लिये नई पेंशन योजना (एनपीएस) के विकल्प के रूप में शनिवार को एक नई एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) लागू करने के एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव को मंजूरी दी जिसमें कर्मचारी को 25 वर्ष की सेवा के बाद आखिरी वर्ष के औसत वेतन के 50 प्रतिशत के बराबर पेंशन मिलेगी। यूपीएस के लिये सरकार 18.5 प्रतिशत का योगदान करेगी और इसमें फैमिली पेंशन, गारंटी शुदा न्यूनतम पेंशन और सेवानिवृत्ति के बाद एकमुश्त भुगतान के भी प्रावधान किये गये हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में लिये गये फैसलों की जानकारी देते हुये सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने कहा, यह योजना पूर्ण रूप से वित्तीय व्यवस्था के साथ लागू की जा रही है। यह कांग्रेस शासित कुछ राज्यों की योजनाओं के तहत कोई खोखला वादा नहीं है। उन्होंने बताया कि इस योजना से 30 लाख केन्द्रीय कर्मचारियों को फायदा होने की उम्मीद है और राज्य सरकारें यूपीएस को लागू करती हैं तो कुल 90 लाख कर्मचारियों को इसका फायदा हो सकेगा।

उन्होंने बताया कि एनपीएस में सरकार अपनी ओर से 14 प्रतिशत अंशदान करती है, इसे बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को एनपीएस से यूपीएस से चुनने का विकल्प केवल एक बार के लिये होगा। वैष्णव ने कहा कि यह योजना कर्मचारियों की यूनियनों और विशेषज्ञ संस्थाओं के साथ पूरे विचार-विमर्श के साथ लायी गयी है।

उल्लेखनीय है कि सरकारी कर्मचारियों के लिये एनपीएस एक चुनावी मुद्दा बन गया था, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने पिछले कुछ चुनावों के दौरान इस योजना को खत्म कर पुरानी योजना लागू करने का वादा किया था। श्री वैष्णव ने स्पष्ट किया कि एनपीएस और यूपीएस दोनों ही में कर्मचारियों का अंशदान शामिल होगा। यूपीएस में सरकारी कर्मचारियों को अपनी ओर से कोई अतिरिक्त अंशदान नहीं करना पड़ेगा। इसमें केवल सरकार का अंशदान बढ़ाया जा रहा है।

तमिलनाडु में पटाखा यूनिट में विस्फोट दो लोगों की मौत

चेन्नई । आरएनएस

तमिलनाडु के डिंडीगुल जिले के नाथम तालुक के अविचिपट्टी में एक पटाखा यूनिट में हुए विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई। स्थानीय लोगों के मुताबिक, उन्होंने सुबह-सुबह पटाखा फैक्ट्री से तेज आवाज सुनी।

लोगों ने पुलिस को सूचित किया। पुलिस की एक टीम वहां पहुंची तो फैक्ट्री के अंदर दो लोगों को मृत पाया। शवों के सिर, गर्दन और बांहों पर गंभीर चोटों के निशान थे।

वहीं, फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए डिंडीगुल के सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। इस घटना को लेकर नाथम थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। यूनिट का मालिक के सेल्वम फिलहाल फरार है। पुलिस की एक टीम मालिक की तलाश कर रही है। नाथम थाने के एसएचओ ने आईएएनएस को बताया कि पुलिस सेल्वम का पता लगा रही है और यह पता लगा रही है कि उसके पास पटाखा फैक्ट्री चलाने का उचित लाइसेंस है या नहीं।

इससे पहले शनिवार को मायलादुथुराई में एक पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट में दो श्रमिकों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

शनिवार की घटना में मृतक की पहचान थिरुवदुथुरई गांव निवासी कर्णन (27) के रूप में हुई, जिसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कालीपेरुमल (42) की अस्पताल में मौत हो गई।

उस घटना में घायलों की पहचान तिरुवलंगाडु गांव के लक्ष्मणन और विरुधुनगर जिले के उथुकाडु गांव के कुमार के रूप में हुई है, जो मयिलादुथुराई सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती हैं।

जिला कलेक्टर एपी महाभारती और पुलिस अधीक्षक के. स्टालिन ने घटनास्थल का दौरा किया और मयिलादुथुराई के अस्पताल में घायलों से मुलाकात की।

उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु का विरुदनगर जिला देश में पटाखा विनिर्माण का सबसे बड़ा हब है। विरुदनगर जिले का शिवकाशी तमिलनाडु में पटाखा उद्योग का केंद्र है।

डिंडीगुल और राज्य के अन्य निकटवर्ती जिलों में भी पटाखों के कुछ कारखाने हैं।

तमिलनाडु पटाखा उद्योग का सालाना कारोबार 6,000 करोड़ रुपये है और यह प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूप से लगभग एक लाख लोगों को रोजगार देता है।

ताजमहल के मुख्य गुंबद तक ले जा सकेंगे पानी की बोतल, सावन के महीने में एएसआई ने लगाई थी रोक

आगरा । आरएनएस

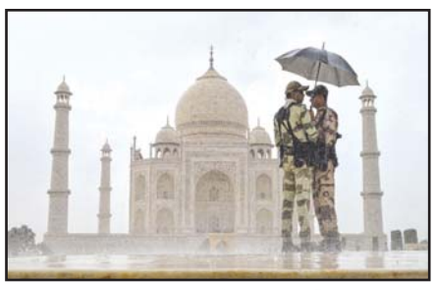

ताजमहल में अब मुख्य गुंबद पर पानी की बोतल ले जाने की सुविधा मिल सकेगी। श्रावण मास खत्म होते ही भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने फिर से इस व्यवस्था को लागू कर दिया है। पानी की बोतल पर रोक के चलते पर्यटकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। कुछ दिनों पहले अखिल भारत हिन्दू महासभा के दो पदाधिकारियों और एक महिला नेत्री ने पानी की बोतल में गंगाजल ले जाकर कब्रों की ओर जाने वाली सीढ़ियों पर चढ़ा दिया था। इसको लेकर हडक़ंप मच गया था। इसके बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधिकारियों ने मुख्य गुंबद के तक पानी की बोतल ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया था।

हालांकि पानी की बोतल न ले जाने देने से पर्यटकों को काफी परेशानी हो रही थी। गर्मी और उमस में पर्यटक बिना पानी के बेहाल हो रहे थे। यूपी टूरिस्ट गाइड्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक दान ने पानी की बोतले ले जाने देने के लिए अधीक्षण पुरातत्वविद से बात की थी। उन्होंने सावन महीने के खत्म होने के बाद इस व्यवस्था को फिर से लागू कराने का आश्वासन दिया था। अब पानी की बोतल ले जाने की व्यवस्था फिर से बहाल कर दी गई है। इससे पर्यटकों को राहत मिलेगी।

यूपी के बिजनौर में टला बड़ा रेल हादसा, पैसेंजर्स से भरे 8 डिब्बों को पीछे छोड़ भाग गई किसान एक्सप्रेस

बिजनौर । आरएनएस

यूपी के बिजनौर में रविवार सुबह बड़ा रेल हादसा होने से बच गया. पैसेंजर्स से भरी हुई गाड़ी संख्या (13307) किसान एक्सप्रेस सुबह 4 बजे दो हिस्सों में बंट गई, जहां ट्रेन का इंजन 13 बोगियों को लेकर 4 किलोमीटर तक आगे निकल गया. वहीं, इसके 8 डिब्बे पीछे ही छुट गए. ये गाड़ी झारखंड के धनबाद से फिरोजपुर जा रही थी. हादसा रविवार सुबह 4 बजे मुरादाबाद के आगे स्योहारा और धामपुर रेलवे स्टेशन के बीच हुआ.

कैसे अलग हो गई ट्रेन?

बता दें कि किसान एक्सप्रेस (13307) के सुबह 4 बजे करीब मुरादाबाद के आगे स्योहारा रेलवे स्टेशन के चकरामल गांव के पास से गुजरते हुए एस3 और एस4 डिब्बे को जोडऩे वाली बोगी की कपलिंग टूट गई. गनीमत रही कि किसी भी पैसेंजर के चोटिल होने की कोई खबर नहीं है.

अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) धर्म सिंह मार्छाल ने बताया कि सुबह करीब चार बजे कुछ तकनीकी समस्या के कारण धनबाद जा रही एक ट्रेन की कुछ बोगियां इंजन और अन्य बोगियों से अलग हो गईं. उन्होंने बताया कि ट्रेन को स्योहारा रेलवे स्टेशन पर रोका गया है.

एक घंटे बाद में ट्रेन की मरम्मत

स्लीपर बोगी की कपलिंग टूटने के बाद ट्रेन के गार्ड ने ड्राइवर और अफसरों को इसकी सूचना दी. थोड़ी देर में रेलवे की टीम मौके पर पहुंच और करीब 1 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद ट्रेन के सभी डिब्बों को जोड़ दिया गया. हालांकि, एस4 बोगी को टेक्निकल समस्या के चलते रोक लिया गया है.

रिलीज से पहले ही विवादों में फंसी कंगना की फिल्म 'इमरजेंसी', फिल्म को बैन करने की उठी मांग

नई दिल्ली । आरएनएस

हिन्दी फिल्मों की मशहूर अभिनेत्री व मंडी लोकसभा से भाजपा सांसद कंगना रनौत इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'इमरजेंसी' के प्रमोशन में जुटी हुई हैं। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया गया। लेकिन, ट्रेलर लॉन्च होने के बाद से कंगना की फिल्म विवादों में घिर गई है। फिल्म में कंगना पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभा रही हैं। यह फिल्म देश में लगाए गए आपातकाल पर आधारित है। पंजाब के फरीदकोट लोकसभा सीट से सांसद सरबजीत सिंह खालसा ने कंगना की नई फिल्म के ट्रेलर पर आपत्ति जताई है। सिंह ने अपने फेसबुक पेज पर हाल ही में एक पोस्ट लिखा। पोस्ट में सिंह ने फिल्म इमरजेंसी में सिखों को गलत तरीके से चित्रित करने का मुद्दा उठाया। उन्होंने लिखा कि इस फिल्म से समाज में कानून व्यवस्था की स्थिति बिगडऩे की आशंका है।

अगर इस फिल्म में सिखों को अलगाववादी या आतंकवादी के रूप में फिल्माया गया है तो यह एक गहरी साजिश है। यह फिल्म अन्य देशों में सिखों के प्रति नफरत पैदा करने का मनोवैज्ञानिक हमला है, जिस पर सरकार को पूर्व संज्ञान लेकर रोक लगानी चाहिए। देश में सिखों पर नफरत भरे हमलों की खबरें अक्सर सामने आती रहती हैं, ऐसे में यह फिल्म सिखों के प्रति नफरत फैलाने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि सिखों ने इस देश के लिए बहुत बड़ी कुर्बानियां दी हैं, जिन्हें फिल्मों के माध्यम से पूरी तरह से उजागर नहीं किया गया है। लेकिन सिखों को बदनाम करने की हर संभव कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि समाज में सांप्रदायिक सौहार्द और कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए आपत्तिजनक फिल्मों या गानों पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।

सांसद के विरोध का समर्थन करते हुए एसजीपीसी ने भी फिल्म को लेकर विरोध जताया है। कमेटी की ओर से कहा गया है कि इस फिल्म के रिलीज होने से देश का माहौल खराब हो सकता है।